

विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

शाह टाइम्स व्हूटे

रामपुर। मंगलवार को भारी विस्तृत यूनियन भूमि के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपने तहसीलदार कार्यक्रम के तहत जिला अध्यक्ष माहमद सलीम वासी को नेटवर्क में बिलासपुर तहसील परिसर पार्क में करते हुए किसानों की समस्याओं को लेकर चंचलता की गई किसानों की मांगों को लेकर 11 सूरजीय जापन प्रशासनीय भालत सरकार तैयार कर किसान सकार व प्रशासन के खिलाफ के नारेबाजी करने लगे। किसानों का कहना था कि वादे किए हैं उन पर खार तारों अधिकारी किसानों की समस्या का समाधान करें किसानों ने नारे लगाए। हम नहीं उत्तर घुड़की से खींच लेंगे कुर्सी से बात करोगे बात करोंगे बात जाता लात करोंगे खिलाफ बातों की नाक काट लो.... को। जोरदार नारेबाजी की आवाज सुनकर उपजिलाधिकारी अनुभव सिंह किसानों के बीच पहुंचे किसानों से वार्ता की तब किसान नाराजगी जताते हुए कहा कि अब तक किसानों जितने वाले हैं कहा कि अब तक किसानों जितने वाले हैं कोई उपजिलाधिकारी द्वारा अश्वासन दिया गया लोटी से निपट जाए उसके उपजिलाधिकारी द्वारा अश्वासन दिया गया जाए तो उसके बारे करोंगे बात होगी। जो कर्मचारी दोषियों का उपक्रम करवावाही की जाएगी होली तक का टाइम मांगा गया तरह उत्तर दिया जाएगा।



लेखपाल सुनने को तैयार नहीं है। पहले किसानों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष माहमद सलीम वासी को नेता कि अज हर सरकारी दस्तर पड़ते हुए वह गुंडागर्दी नहीं है तो व्याचार मांगी पर है। बिना रिवात के किसानों को काँड़े काम नहीं किया जा रहे ख्वांस में खुलआम रिवातखोरी थानों में खुलआम रिवातखोरी पेश की जाएगी। जो कर्मचारी चाहे करोंगे लो कानून नाम की काँड़े भी बैठक करते हुए उसके बारे करोंगे बात होगी। अधिकारी दोषियों की जाएगी होली तक का टाइम मांगा गया तरह उत्तर दिया जाएगा।

पहले किसानों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष माहमद सलीम वासी को नेता कि अज हर सरकारी दस्तर पड़ते हुए वह किसान देता है। अगर किसान ने ठान ली सबक सिखाने को तो दिन में तारों नजर आजाएं और वह फसल उगाना बंद कर दे तो अधिकारी नेता सब को सबक भी मिल जाएगा और खाने के लाले ही पड़ जाएगी कहता है कि किसानों को सताना बंद कर दो। इस देश की सरकार को सताना भुगतानी को पारा पर पहुंच रहा है और धरना के ऊपर चलता ही उसे देश को किसान भुगतानी की

समस्या जूँ की तू पढ़ी है।

कागां पर हो बढ़ जाए की बात है देश के नेताओं के लिए व देश के प्रधानमंत्री के लिए तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए किसान आयोग का गठन तुरंत किया जाए। एक बार किसान मजदूर का पूर्ण रूप से कर्ज माफ किया जाए। किसानों को 5 लाख का कर्ज बिना व्याचार के दिया जाए। सरकार जब पूरी परियों का कर्ज कर सकता है तो अन्दराता देश को पालन लाता है। किसानों को सभी चीजों पर 90 प्रतिशत की स्विसी दी जाए। पहले एकलक्ष में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अध्यक्ष सतनाम सिंह, बलीर सिंह, जीत सिंह, रेखा रानी, अकम स्थान, माहमद परिषद, प्रधान व्यायाम मोहन पांडे, महेंद्र सिंह, फरसान अली, इत्याकार हसन, आरिफ, नासिर, युफरान अली, मतलूब हसन, अली मोहम्मद, मद्रें स्थान, द्वारा लीला, शौकीन शाह, गुरदीप गोताखां जो के लिए उसको तत्त्वात्मक कर देता है तथा किसान मजदूर को अन्दराता को दे उत्तर प्रदेश में घेरें, विजित की तरह देश के दूसरे देशों में अधिकारी को देता है तथा किसानों को आनन्द घर चलाने में जारीनामों हो रही है जिन्हिंनी की रें 75 प्रतिशत काम की जाए। सभी प्रदेश जिला स्तरतारहसील स्तर अधिकारी को उसे देश को किसान भुगतानी की गई।

कामचारियों को आदेश दिया जाए कि अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाया जाए। जिससे सरकारी स्कूल की काव्य पालट अच्छी पहाड़ होने लागी। पूर्व गरीब किसान के बच्चे भी किसानों के 15 साल पुराने दैवत व सभी बहनों को बंद न किया जाये क्योंकि दैवत खेतों में चलते हैं बहनों को खोरीदते समय पूर्ण रोड ट्रैक्टर जमा कर दिया जाता है तो टोल ट्रैक्टर को बंद किया जाए। बिजिती को प्राइवेट सेक्टर में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अध्यक्ष सतनाम सिंह, बलीर सिंह, जीत सिंह, रेखा रानी, अकम स्थान, माहमद परिषद, प्रधान व्यायाम मोहन पांडे, महेंद्र सिंह, फरसान अली, इत्याकार हसन, आरिफ, नासिर, युफरान अली, मतलूब हसन, अली मोहम्मद, मद्रें स्थान, द्वारा लीला, शौकीन शाह, गुरदीप गोताखां जो के लिए उसको तत्त्वात्मक कर देता है तथा किसान मजदूर को अन्दराता को दे उत्तर प्रदेश में घेरें, विजित की तरह देश के दूसरे देशों में अधिकारी को देता है तथा किसानों को आनन्द घर चलाने में जारीनामों हो रही है जिन्हिंनी की रें 75 प्रतिशत काम की जाए। सभी प्रदेश जि�ला स्तरतारहसील स्तर अधिकारी को उसे देश को किसान भुगतानी की गई।

कामचारियों को आदेश दिया जाए कि अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों के लिए व देश के प्रधानमंत्री के लिए तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए किसान आयोग का गठन तुरंत किया जाए। एक बार किसान मजदूर का पूर्ण रूप से कर्ज माफ किया जाए। किसानों को 5 लाख का कर्ज बिना व्याचार के दिया जाए। सरकार जब पूरी परियों का कर्ज कर सकता है तो अन्दराता देश को पालन लाता है। किसानों को सभी चीजों पर 90 प्रतिशत की स्विसी दी जाए। पहले एकलक्ष में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अध्यक्ष सतनाम सिंह, बलीर सिंह, जीत सिंह, रेखा रानी, अकम स्थान, माहमद परिषद, प्रधान व्यायाम मोहन पांडे, महेंद्र सिंह, फरसान अली, इत्याकार हसन, आरिफ, नासिर, युफरान अली, मतलूब हसन, अली मोहम्मद, मद्रें स्थान, द्वारा लीला, शौकीन शाह, गुरदीप गोताखां जो के लिए उसको तत्त्वात्मक कर देता है तथा किसान मजदूर को अन्दराता को दे उत्तर प्रदेश में घेरें, विजित की तरह देश के दूसरे देशों में अधिकारी को देता है तथा किसानों को आनन्द घर चलाने में जारीनामों हो रही है जिन्हिंनी की रें 75 प्रतिशत काम की जाए। सभी प्रदेश जिला स्तरतारहसील स्तर अधिकारी को उसे देश को किसान भुगतानी की गई।

कामचारियों को आदेश दिया जाए कि अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों के लिए व देश के प्रधानमंत्री के लिए तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए किसान आयोग का गठन तुरंत किया जाए। एक बार किसान मजदूर का पूर्ण रूप से कर्ज माफ किया जाए। किसानों को 5 लाख का कर्ज बिना व्याचार के दिया जाए। सरकार जब पूरी परियों का कर्ज कर सकता है तो अन्दराता देश को पालन लाता है। किसानों को सभी चीजों पर 90 प्रतिशत की स्विसी दी जाए। पहले एकलक्ष में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अध्यक्ष सतनाम सिंह, बलीर सिंह, जीत सिंह, रेखा रानी, अकम स्थान, माहमद परिषद, प्रधान व्यायाम मोहन पांडे, महेंद्र सिंह, फरसान अली, इत्याकार हसन, आरिफ, नासिर, युफरान अली, मतलूब हसन, अली मोहम्मद, मद्रें स्थान, द्वारा लीला, शौकीन शाह, गुरदीप गोताखां जो के लिए उसको तत्त्वात्मक कर देता है तथा किसान मजदूर को अन्दराता को दे उत्तर प्रदेश में घेरें, विजित की तरह देश के दूसरे देशों में अधिकारी को देता है तथा किसानों को आनन्द घर चलाने में जारीनामों हो रही है जिन्हिंनी की रें 75 प्रतिशत काम की जाए। सभी प्रदेश जिला स्तरतारहसील स्तर अधिकारी को उसे देश को किसान भुगतानी की गई।

कामचारियों को आदेश दिया जाए कि अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों के लिए व देश के प्रधानमंत्री के लिए तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए किसान आयोग का गठन तुरंत किया जाए। एक बार किसान मजदूर का पूर्ण रूप से कर्ज माफ किया जाए। किसानों को 5 लाख का कर्ज बिना व्याचार के दिया जाए। सरकार जब पूरी परियों का कर्ज कर सकता है तो अन्दराता देश को पालन लाता है। किसानों को सभी चीजों पर 90 प्रतिशत की स्विसी दी जाए। पहले एकलक्ष में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अध्यक्ष सतनाम सिंह, बलीर सिंह, जीत सिंह, रेखा रानी, अकम स्थान, माहमद परिषद, प्रधान व्यायाम मोहन पांडे, महेंद्र सिंह, फरसान अली, इत्याकार हसन, आरिफ, नासिर, युफरान अली, मतलूब हसन, अली मोहम्मद, मद्रें स्थान, द्वारा लीला, शौकीन शाह, गुरदीप गोताखां जो के लिए उसको तत्त्वात्मक कर देता है तथा किसान मजदूर को अन्दराता को दे उत्तर प्रदेश में घेरें, विजित की तरह देश के दूसरे देशों में अधिकारी को देता है तथा किसानों को आनन्द घर चलाने में जारीनामों हो रही है जिन्हिंनी की रें 75 प्रतिशत काम की जाए। सभी प्रदेश जिला स्तरतारहसील स्तर अधिकारी को उसे देश को किसान भुगतानी की गई।

कामचारियों को आदेश दिया जाए कि अपने बच्चों के सरकारी स्कूलों के लिए व देश के प्रधानमंत्री के लिए तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए किसान आयोग का गठन तुरंत किया जाए। एक बार किसान मजदूर का पूर्ण रूप से कर्ज माफ किया जाए। किसानों को 5 लाख का कर्ज बिना व्याचार के दिया जाए। सरकार जब पूरी परियों का कर्ज कर सकता है तो अन्दराता देश को पालन लाता है। किसानों को सभी चीजों पर 90 प्रतिशत की स्विसी दी जाए। पहले एकलक्ष में आप तक आपके लिए दैवत होने से सरकार को भी तुकसा न होता है तथा किसान मजदूरों को भी धना प्रदान करने वालों में बालक अ

सन्पादकीय

बुधवार, 12 मार्च 2025

टैरिफ पर सफाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जबसे सत्ता में आए हैं। उभी से वह अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। हालांकि बातें व वही कर रहे हैं जिसके बारे में वह 20 जनवरी को शापथ लेने से पूर्व कहते रहे हैं। कभी वह रूस-यूक्रेन युद्ध को रुकवाने की बात कहते हैं। तो कभी गाजा को लेकर विवादस्पद बयान देते हैं। वैसे वह टैरिफ लगाने के मामले को लेकर अधिक चर्चा बढ़ाव रहे हैं। जिसके चलते उनकी कई मित्र देशों से दूरियां भी कही हैं। जिसमें कनाडा, मेसिको, भारत जैसे देश शामिल हैं। यह देखना है कि भारत वह देश है जो अमेरिकी उत्पादों पर सबसे अधिक टैरिफ लगाता है। बदले में उन्होंने भारतीय उत्पादों पर भी जैसे को तैसा के अंदर वह देश की टैरिफ लगाने की बात कही है। बीते शुक्रवार को भी ट्रम्प ने अपने बयान में कहा था कि भारत हमसे बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलता है। उनका कहना था अमेरिकी भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि भारत अब अपने टैरिफ में बहुत कटौती करना चाहता है। वर्तीक हम उनके किए की पोल खोल रहे हैं। उन्होंने यह भी चेताया कि हमारे देश को हर किसी ने लूटा है। जबसे ट्रम्प का यह बयान आया भारतीय राजनीति में एक हलचल सी मच गई है। यों कि स्वभाविक भी है। देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी क्रिंग्स ने कह भी दिया कि अधिक ट्रम्प किस की पोल खोल की धर्मी की दे रखे हैं। यह साफ होना चाहिए। अब तक इस पूरे मुदे पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया देखने में नहीं आई है, लेकिन एकाएक मंगलवार को भारतीय कॉमर्स संक्रेटरी सुनील बर्थवाल ने संसदीय पैनल को यह बताकर कि भारत ने अमेरिकी के साथ टैरिफ में कटौती को लेकर कोई आश्वासन नहीं दिया है और साथ ही कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बातचीत अभी जारी है। बर्थवाल ने यह तक कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों और मीडिया रिपोर्टों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। बर्थवाल का यह भी कहना था कि भारत व्यापार विस्तार का समर्थन करता है लेकिन टैरिफ वार से किसी को फायदा नहीं है और अपने मंदी आ सकती है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अंधाधूंध तरीके से टैरिफ कम नहीं करेगा। ट्रम्प को समझना होगा कि जिस तरह उन्होंने अपने देश के राष्ट्रीय दिव्यांग हैं तो दूसरे लोगों को भी अपना हित देखना चाहते हैं। एक-दूसरे लोगों को समझते हुए आगे बढ़ावा सही गान्धी होता है। अगर कोई भी देश के बाल अपने दिव्यांगों तो इससे व्यापार व अन्य बातों की समझ में आगे बढ़ने में कठिनाई पैदा होगी। भारत ने अमेरिका को यही बात समझने की कोशिश की है।

होली और इनगान की आड़ में राजनीति ठीक नहीं

होली और रमजान की आड़ में किसी भी मुदे को लेकर राजनीति करना ठीक नहीं है और सरकार को सभी धर्मों के अनुयायीयों के मान सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। जैसा कि विदित है कि इस समय सरकार चल रहे हैं और इसी बीच जल्दी होली का भी त्योहार आ रहा है, जिसे मंदिरों में तब्दील करना चाहिए। यह सभी के हित में होगा, इसकी आड़ में किसी भी मुदे को लेकर कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं, सम्भल की तरह अधिकारियों का गलत इस्तेमाल करना ठीक नहीं तथा इनको कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

सुश्री मायावती
अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मद धारे परों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'नो स्मोकिं डे' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 12 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस हर साल एक विशेष धीमे के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 के 'नो स्मोकिं डे' की धीमे हैं 'इस नो स्मोकिं डे पर अपनी जिंदगी बापस ले'। हालांकि बार यह दिवस 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। था यह गहरा चिन्ह का विशेष है कि जिले कई दशरथीय व्यापकों में धूम्रपान के लिए हानिकारक है लेकिन जब तभी जनकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बदल चिन्हजनक प्रतीत होती है। जैसे बच्चों के मनोमार्सिंग एवं धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धूम्रपान विद्यायां होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुनौती-फूटी आती है, उनका मानसिक तनाव करते होते हैं, मन शरांत रहता है, व्यक्तित्व अकार के बातों हैं, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि।

चूकि बच्चों का मन को मल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझे की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने

से उनके अंदर ऐसी कोई लाकर भी नहीं होती है। वैसे बच्चों के मनोमार्सिंग एवं धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धूम्रपान विद्यायां होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुनौती-फूटी आती है, उनका मानसिक तनाव करते होते हैं, मन शरांत रहता है, व्यक्तित्व अकार के बातों हैं, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि।

इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझे की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने

स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है धूम्रपान

६० धूम्रपान से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बिंदु



अरुण गोविल

शिकायत का अनुमान है कि यदि दुनिया भर में धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गयी देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि यदि दुनिया भर में धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा जाएंगे और अगले तीस वर्षों में धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी।

संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नमजाज गिराया धूम्रपान की जाति ले लेसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मरे जा ज

